राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

हिंदी पखवाड़ा-2022-रिपोर्ट

हिन्दी अपने देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है - माखनलाल चतुर्वेदी

विषयवस्तु

हिंदी पखवाड़ा 2022.....3
कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण.....4
उद्घाटन समारोह.....5
माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश.....6
माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश.....7
माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल जी का संदेश.....9
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी का संदेश.....10
माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्री यू. पी. सिंह जी का संदेश.....11
माननीय मंत्रिमंडल सचिव श्री राजीव गौबा जी का संदेश.....12
माननीय महानिदेशक, निफ्ट श्री शांतमनु जी का संदेश.....13
राजभाषा प्रतिज्ञा.....14
राजभाषा प्रतिज्ञा की झलकियाँ:.....15
हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए):.....16
हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए).....18
हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए).....20
हिंदी मीम्स डिजाईन प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए).....22
हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए).....23
चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए).....24
हिंदी नाम अभिधा गतिविधि.....25
विजेताओं की सूची.....26
हिंदी पखवाड़ा के लिए प्रमाण पत्र.....27
विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण.....28
बहु कार्यकारिणी टीम.....28
हिंदी पखवाड़ा 2022 का समापन.....29

हिंदी पखवाड़ा 2022

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष सितंबर माह में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन सभी सरकारी कार्यालयों को करना आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए उत्साहवर्धक वातावरण बनाना तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहन देना है।

इसी सम्बन्ध में सरकारी निर्देशों, मुख्यालय की अपेक्षाओं एवं निफ्ट गाँधीनगर परिसर की परम्परा के अनुसार देवनागिरी की भावना का हमारी भाषा के रूप में उत्सव मनाते हुए इस वर्ष हिंदी दिवस एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मलेन का आयोजन 14/15 सितंबर को सूरत मे आरम्भ किया गया तत्पश्चात दिनांक 19-09-2022 से 30-09-2022 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का भव्य आयोजन निफ्ट परिसर मे किया गया |

आकृति 1: हिंदी पखवाड़ा बैनर

कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त विवरण

इस हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत उद्घाटन और समापन समारोह सहित 6 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

क्रं संख्या	प्रतियोगिता/कार्यक्रम	दिनांक	दिवस	समय	समन्वयक
1	हिंदी पखवाड़ा का शुभारम्भ (दीप प्रज्वलन, संदेश पाठन, काव्य पाठन, अपने नाम का हिंदी में अर्थ लिखना)	19 सितम्बर 2022	सोमवार	सायंकाल 4 से 5 तक	हिंदी अनुभाग
2	हिंदी निबंध प्रतियोगिता (अधिकारी/ संकाय गण/ स्टाफ सदस्यों/ सभी कर्मचारियों के लिए)	20 सितम्बर 2022 से 24 सितम्बर 2022, पांच बजे तक	मंगलवार से – शुक्रवार	अंतिम समय 24 सितम्बर 5 बजे तक(ई-मेल पर भेजना होगा)	हिंदी अनुभाग
3	हिंदी मीम्स डिज़ाईन प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	19 सितंबर 2022 से 24 सितंबर 2022	सोमवार से शुक्रवार	सायंकाल 4 से 5 तक(आँनलाइन माध्यम)	एस.डी.ए.सी.
4	हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	19 सितम्बर 2022 से 26 सितंबर 2022	सोमवार से सोमवार	सायंकाल 4 से 5 तक(आँन लाइन)	हिंदी अनुभाग
5	हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (अधिकारी/ संकाय गण/ स्टाफ सदस्यों/ सभी कर्मचारियों के लिए)	22 सितम्बर 2022	गुरुवार	सायंकाल 4 से 5:30 तक	हिंदी अनुभाग
6	चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	23 सितम्बर 2022	गुरुवार	सायंकाल 4 से 5:30 तक	हिंदी अनुभाग

उद्घाटन समारोह

कार्यक्रम के प्रारम्भ में नोडल हिंदी अधिकारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक महोदय, सभी अधिकारी गण, संकायगण एवं साथी कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया गया और सभी सदस्यों को भारत के जन मानस को स्पर्श करने वाली हृदय भाषा, हिंदी दिवस की बहुत बहुत शुभकामनाये दी गयीं।

निदेशक महोदय द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर, हिंदी पखवाडा का शुभारम्भ किया गया एवं हिंदी नोडल अधिकारी एवं कनिष्ट अनुवाद अधिकारी द्वारा निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री, माननीय केंद्रीय राज्य वस्त्र मंत्री माननीय सचिव वस्त्र-मंत्रालय- भारत सरकार, एवं माननीय महानिदेशक (निफ्ट) के हिंदी दिवस संदेशों को पढ़ा गया |

संदेशो को पढने के पश्चात निदेशक, निफ्ट गांधीनगर ने सभी उपस्थित सदस्यों को निफ्ट मुख्यालय से प्राप्त राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई।

इसके उपरांत निदेशक महोदय के निर्देशानुसार औपचारिक रूप से हिंदी पखवाड़े में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की घोषणा की गयी।

आकृति 2: हिंदी पखवाड़े के शुभारम्भ पर दीप प्रज्ज्वलन

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

आकृति 3: माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का संदेश

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

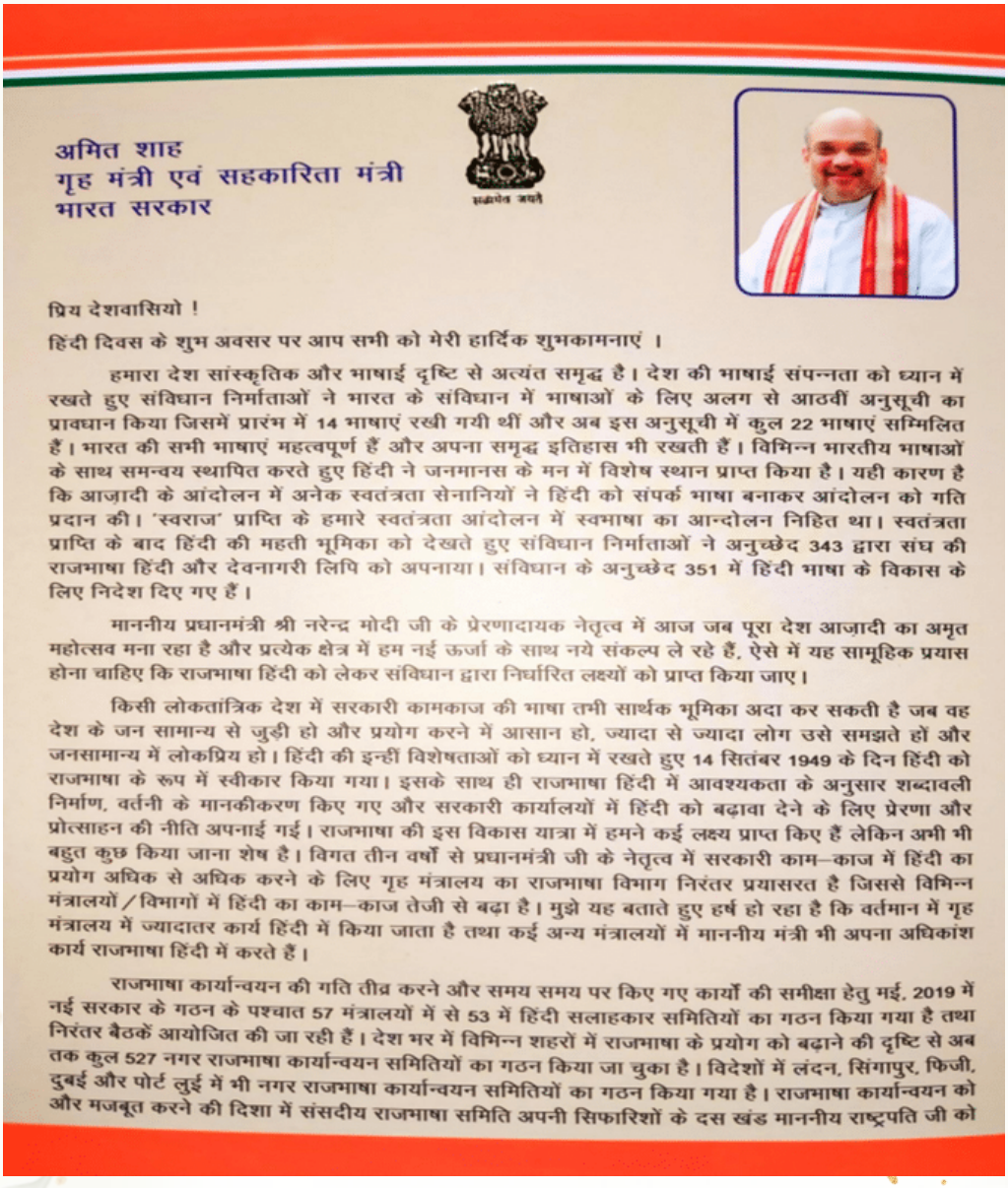

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

हमारा देश सांस्कृतिक और भाषाई दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। देश की भाषाई संपन्नता को ध्यान में रखते हुए संविधान निर्माताओं ने भारत के संविधान में भाषाओं के लिए अलग से आठवीं अनुसूची का प्रावधान किया जिसमें प्रारंभ में 14 भाषाएं रखी गयी थीं और अब इस अनुसूची में कुल 22 भाषाएं सम्मिलित हैं। भारत की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण हैं और अपना समृद्ध इतिहास भी रखती हैं। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में विशेष स्थान प्राप्त किया है। यही कारण है कि आज़ादी के आंदोलन में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आंदोलन को गति प्रदान की। 'स्वराज' प्राप्ति के हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में स्वभाषा का आन्दोलन निहित था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महती भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि को अपनाया। संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निदेश दिए गए हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायक नेतृत्व में आज जब पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक क्षेत्र में हम नई ऊर्जा के साथ नये संकल्प ले रहे हैं, ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि राजभाषा हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए।

किसी लोकतांत्रिक देश में सरकारी कामकाज की भाषा तभी सार्थक भूमिका अदा कर सकती है जब वह देश के जन सामान्य से जुड़ी हो और प्रयोग करने में आसान हो, ज्यादा से ज्यादा लोग उसे समझते हों और जनसामान्य में लोकप्रिय हो। हिंदी की इन्हीं विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसके साथ ही राजभाषा हिंदी में आवश्यकता के अनुसार शब्दावली निर्माण, वर्तनी के मानकीकरण किए गए और सरकारी कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति अपनाई गई। राजभाषा की इस विकास यात्रा में हमने कई लक्ष्य प्राप्त किए हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। विगत तीन वर्षों से प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकारी काम–काज में हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करने के लिए गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयासरत है जिससे विभिन्न मंत्रालयों / विभागों में हिंदी का काम–काज तेजी से बढ़ा है। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि वर्तमान में गृह मंत्रालय में ज्यादातर कार्य हिंदी में किया जाता है तथा कई अन्य मंत्रालयों में माननीय मंत्री भी अपना अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में करते हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन की गति तीव्र करने और समय समय पर किए गए कार्यों की समीक्षा हेतु मई, 2019 में नई सरकार के गठन के पश्चात 57 मंत्रालयों में से 53 में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया है तथा निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। देश भर में विभिन्न शहरों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 527 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेशों में लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट लुई में भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन को और मजबूत करने की दिशा में संसदीय राजभाषा समिति अपनी सिफारिशों के दस खंड माननीय राष्ट्रपति जी को

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

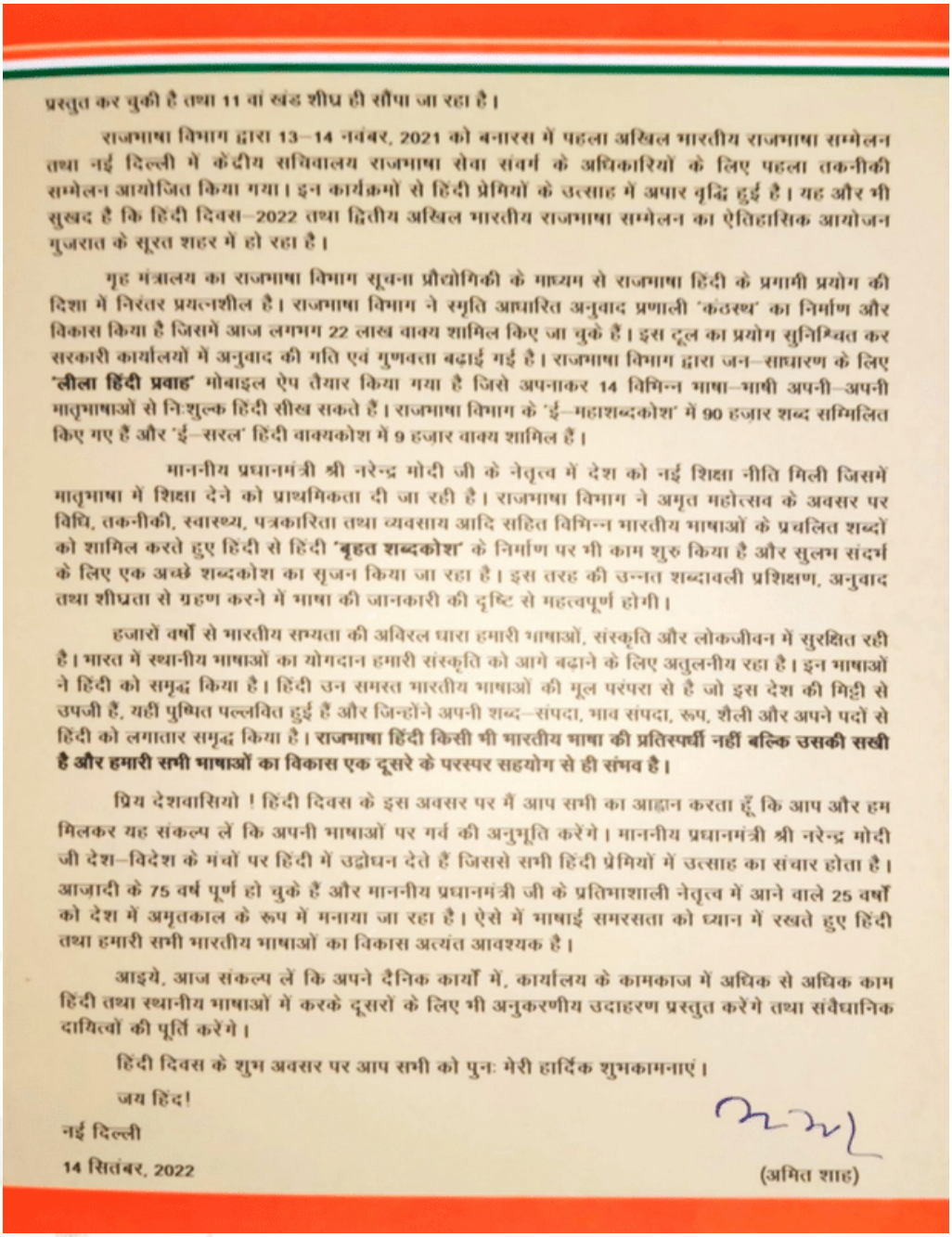

प्रस्तुत कर चुकी है तथा 11 वां खंड शीघ्र ही सौंपा जा रहा है।

राजभाषा विभाग द्वारा 13–14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन तथा नई दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा संवर्ग के अधिकारियों के लिए पहला तकनीकी सम्मेलन आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों से हिंदी प्रेमियों के उत्साह में अपार वृद्धि हुई है। यह और भी सुखद है कि हिंदी दिवस–2022 तथा द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन गुजरात के सूरत शहर में हो रहा है।

गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' का निर्माण और विकास किया है जिसमें आज लगभग 22 लाख वाक्य शामिल किए जा चुके हैं। इस टूल का प्रयोग सुनिश्चित कर सरकारी कार्यालयों में अनुवाद की गति एवं गुणवत्ता बढ़ाई गई है। राजभाषा विभाग द्वारा जन–साधारण के लिए **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप तैयार किया गया है जिसे अपनाकर 14 विभिन्न भाषा–भाषी अपनी–अपनी मातृभाषाओं से निःशुल्क हिंदी सीख सकते हैं। राजभाषा विभाग के 'ई–महाशब्दकोश' में 90 हज़ार शब्द सम्मिलित किए गए हैं और 'ई–सरल' हिंदी वाक्यकोश में 9 हज़ार वाक्य शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई शिक्षा नीति मिली जिसमें मातृभाषा में शिक्षा देने को प्राथमिकता दी जा रही है। राजभाषा विभाग ने अमृत महोत्सव के अवसर पर विधि, तकनीकी, स्वास्थ्य, पत्रकारिता तथा व्यवसाय आदि सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए हिंदी से हिंदी **'बृहत शब्दकोश'** के निर्माण पर भी काम शुरु किया है और सुलभ संदर्भ के लिए एक अच्छे शब्दकोश का सृजन किया जा रहा है। इस तरह की उन्नत शब्दावली प्रशिक्षण, अनुवाद तथा शीघ्रता से ग्रहण करने में भाषा की जानकारी की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी।

हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता की अविरल धारा हमारी भाषाओं, संस्कृति और लोकजीवन में सुरक्षित रही है। भारत में स्थानीय भाषाओं का योगदान हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय रहा है। इन भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित पल्लवित हुई हैं और जिन्होंने अपनी शब्द–संपदा, भाव संपदा, रूप, शैली और अपने पदों से हिंदी को लगातार समृद्ध किया है। **राजभाषा हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि उसकी सखी है और हमारी सभी भाषाओं का विकास एक दूसरे के परस्पर सहयोग से ही संभव है।**

प्रिय देशवासियो ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि आप और हम मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी भाषाओं पर गर्व की अनुभूति करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश–विदेश के मंचों पर हिंदी में उद्बोधन देते हैं जिससे सभी हिंदी प्रेमियों में उत्साह का संचार होता है। आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रतिभाशाली नेतृत्व में आने वाले 25 वर्षों को देश में अमृतकाल के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में भाषाई समरसता को ध्यान में रखते हुए हिंदी तथा हमारी सभी भारतीय भाषाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है।

आइये, आज संकल्प लें कि अपने दैनिक कार्यों में, कार्यालय के कामकाज में अधिक से अधिक काम हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं में करके दूसरों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तथा संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करेंगे।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को पुनः मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद!

नई दिल्ली

14 सितंबर, 2022

(अमित शाह)

आकृति 4: माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का लिखित संदेश

माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल जी का संदेश

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

वाणिज्य एवं उद्योग,
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक
वितरण तथा वस्त्र मंत्री, भारत सरकार
MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY,
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION AND
TEXTILES, GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

हिंदी हमारे देश के अधिकांश क्षेत्रों में बोली एवं समझी जाने वाली लोकप्रिय भाषा है। हिंदी ने हमारे देश के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान समस्त देशवासियों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा इसे सर्वसम्मति से 14 सितंबर, 1949 को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था। यह हमारे देश की सभ्यता एवं संस्कृति की जीवंत परंपराओं और रीति-रिवाजों की भी परिचायक है।

वस्त्र क्षेत्र, एक बहुत व्यापक क्षेत्र है जिसमें पटसन, कपास, ऊन, रेशम, हथकरघा, हस्तशिल्प आदि शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों के विकास और सततता के लिए सरकार द्वारा बहुत सी योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करके ही हम इन सभी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ देश के आम लोगों तक पहुंचा पाएंगे।

हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। मैं वस्त्र मंत्रालय और इसके सभी नियंत्रणाधीन कार्यालयों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों से आग्रह करना चाहूंगा कि आप सभी अपना अधिक से अधिक सरकारी कार्य राजभाषा हिंदी में सम्पादित करें और राजभाषा हिंदी को उचित सम्मान दिलाने में अपना अमूल्य योगदान दें। आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

आकृति 5: माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल जी का संदेश

माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी का संदेश

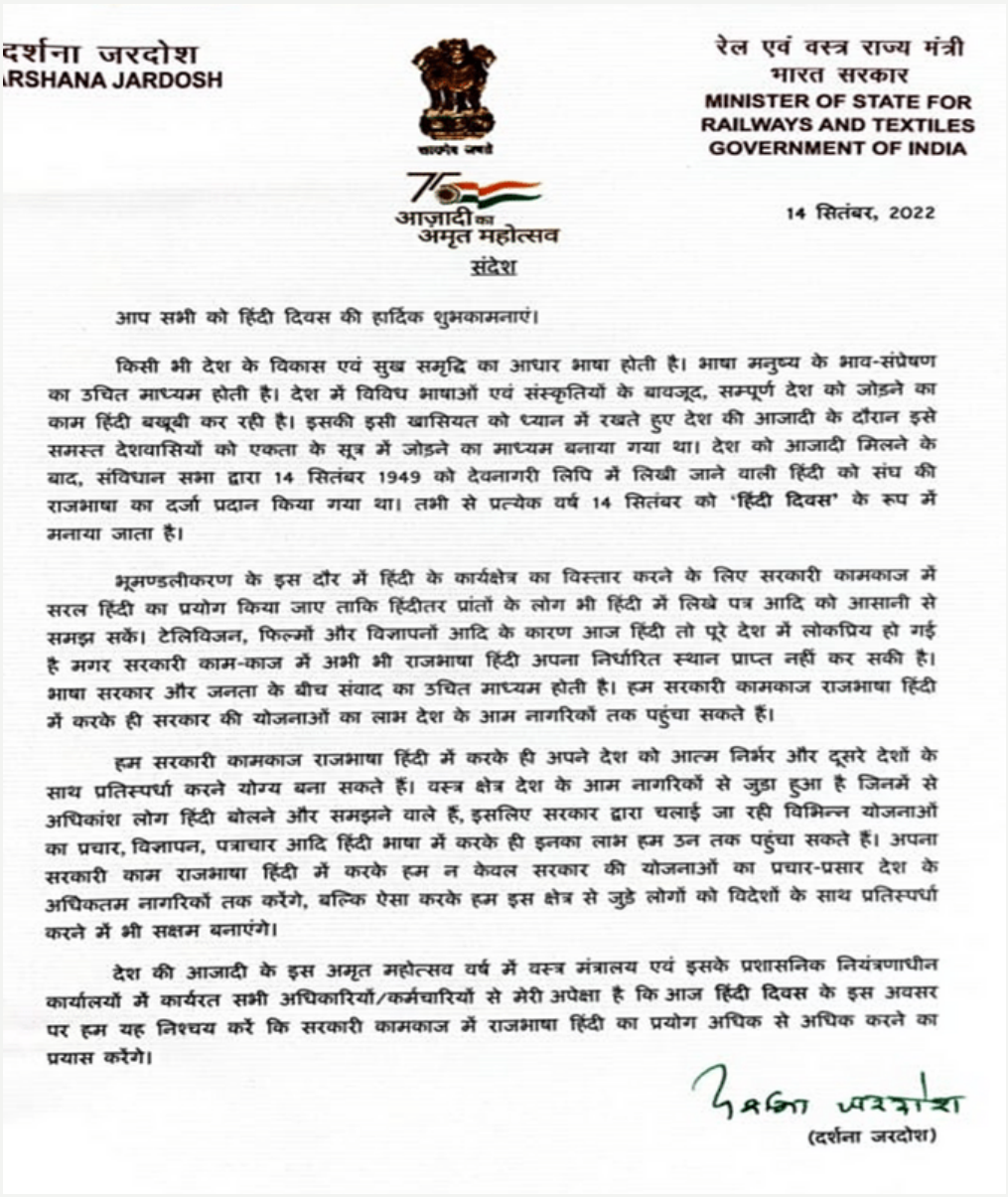

दर्शना जरदोश
RSHANA JARDOSH

रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
RAILWAYS AND TEXTILES
GOVERNMENT OF INDIA

14 सितंबर, 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

किसी भी देश के विकास एवं सुख समृद्धि का आधार भाषा होती है। भाषा मनुष्य के भाव-संप्रेषण का उचित माध्यम होती है। देश में विविध भाषाओं एवं संस्कृतियों के बावजूद, सम्पूर्ण देश को जोड़ने का काम हिंदी बखूबी कर रही है। इसकी इसी खासियत को ध्यान में रखते हुए देश की आजादी के दौरान इसे समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में जोड़ने का माध्यम बनाया गया था। देश को आजादी मिलने के बाद, संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था। तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

भूमण्डलीकरण के इस दौर में हिंदी के कार्यक्षेत्र का विस्तार करने के लिए सरकारी कामकाज में सरल हिंदी का प्रयोग किया जाए ताकि हिंदीतर प्रांतों के लोग भी हिंदी में लिखे पत्र आदि को आसानी से समझ सकें। टेलिविजन, फिल्मों और विज्ञापनों आदि के कारण आज हिंदी तो पूरे देश में लोकप्रिय हो गई है मगर सरकारी काम-काज में अभी भी राजभाषा हिंदी अपना निर्धारित स्थान प्राप्त नहीं कर सकी है। भाषा सरकार और जनता के बीच संवाद का उचित माध्यम होती है। हम सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करके ही सरकार की योजनाओं का लाभ देश के आम नागरिकों तक पहुंचा सकते हैं।

हम सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करके ही अपने देश को आत्म निर्भर और दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने योग्य बना सकते हैं। वस्त्र क्षेत्र देश के आम नागरिकों से जुड़ा हुआ है जिनमें से अधिकांश लोग हिंदी बोलने और समझने वाले हैं, इसलिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रचार, विज्ञापन, पत्राचार आदि हिंदी भाषा में करके ही इनका लाभ हम उन तक पहुंचा सकते हैं। अपना सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करके हम न केवल सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार देश के अधिकतम नागरिकों तक करेंगे, बल्कि ऐसा करके हम इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को विदेशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में भी सक्षम बनाएंगे।

देश की आजादी के इस अमृत महोत्सव वर्ष में वस्त्र मंत्रालय एवं इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से मेरी अपेक्षा है कि आज हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम यह निश्चय करें कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करने का प्रयास करेंगे।

(दर्शना जरदोश)

आकृति 6 : माननीय रेल एवं राज्य वस्त्र मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश जी का संदेश

माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्री यू. पी. सिंह जी का संदेश

यू. पी. सिंह, भा.प्र.से.
सचिव
U. P. Singh, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 01

14 सितंबर, 2022

संदेश

भाषा किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विकास तथा भाव-संप्रेषण का प्रमुख आधार होती है। भाषा के बिना हम किसी देश के विकास एवं सुख-समृद्धि की कल्पना नहीं कर सकते। भाषा के आधार पर ही किसी देश के इतिहास को समझा, परखा और उसका अनुसरण किया जा सकता है। हमारे देश के बहुत से लेखकों, साहित्यकारों, कवियों ने अपनी भाव-अभिव्यक्ति का माध्यम हिंदी को बनाया था और आज भी वे हिंदी में अपने लेखन के कारण सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध हैं। यह एक वैज्ञानिक भाषा है। इसे आसानी से बोला, लिखा और समझा जा सकता है। हिंदी की इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए देश के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसे सम्पूर्ण देशवासियों को एकता के सूत्र में जोड़ने का माध्यम बनाया गया था और आजादी के बाद सर्वसम्मति से इसे संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था और इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान प्रदान किया गया था।

आज जब हम **'मेक इन इंडिया'** और **'आत्मनिर्भर भारत'** की बात करते हैं तो हम इस उद्देश्य को तभी पूरा कर सकते हैं जब हम अपना अधिकांश कार्य अपने देश की लोक प्रिय भाषा हिंदी में करें। चूंकि वस्त्र क्षेत्र काफी सीमा तक आम जन से जुड़ा है। यह क्षेत्र कोविड-19 महामारी के प्रकोप से काफी प्रभावित हुआ है। कोविड-19 के प्रभाव से वस्त्र क्षेत्र को तेजी से उबारने के लिए सरकार द्वारा बहुत सी योजनाएं चलायी जा रही हैं। इन सभी योजनाओं तथा सुविधाओं का लाभ हम राजभाषा हिंदी के माध्यम से ही देश के अधिकांश लोगों तक पहुंचा सकते हैं। अतः मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों के विशेष रूप से, वरिष्ठ अधिकारियों को अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में काम करना चाहिए। इससे सरकार की योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन भी होगा और उनके अधिकारी/कर्मचारी भी राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित होंगे।

14 सितंबर को **हिंदी दिवस** के अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा इस वर्ष **14-15 सितंबर को सूरत में हिंदी दिवस एवं द्वितीय राजभाषा सम्मेलन** का भी आयोजन किया जा रहा है। मंत्रालय तथा इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों के अधिकारी/कर्मचारी इस सम्मेलन में प्रतिभागिता सुनिश्चित करेंगे। इसके पश्चात अपने कार्यालयों में हिंदी सप्ताह/हिंदी पखवाड़ा/हिंदी माह आदि का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कार्यालयों में राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं आदि का भी आयोजन किया जाएगा। आप सभी से मेरी अपील है कि आप इन प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों में उत्साह-पूर्वक भाग लें और यह संकल्प लें कि आप अपना अधिकांश सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करेंगे।

इस अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(यू.पी.सिंह)

आकृति 7 : माननीय वस्त्र मंत्रालय सचिव श्री यू. पी. सिंह जी का संदेश

माननीय मंत्रिमंडल सचिव श्री राजीव गौबा जी का संदेश

राजीव गौबा
Rajiv Gauba

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

'विविधता में एकता' भारत की अनूठी विशेषता है। यह विशेषता हिंदी के साथ-साथ देश की भिन्न-भिन्न भाषाओं के संगम में भी परिलक्षित होती है। भाषायी विविधता के साथ-साथ हिंदी भारत जैसे विशाल देश में संपर्क भाषा का काम करती है क्योंकि अधिकांश देशवासी हिंदी बोलते और समझते हैं। हिंदी भाषा के इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया और तभी से प्रत्येक वर्ष यह दिन "हिंदी दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

हिंदी भाषा का प्रयोग कार्य के विभिन्न क्षेत्रों और विशेषकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। आज भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी राजभाषा हिंदी के माध्यम से जनसाधारण तक पहुंच रही है। भारत सरकार के समस्त कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों और विशेषकर उच्च अधिकारियों से मेरी अपील है कि आप सभी राजभाषा हिंदी में कार्य करने का अनुकूल माहौल बनाने में सहयोग दें और अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज स्वयं हिंदी में करने के साथ-साथ दूसरे साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करें ताकि राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार हो। आशा है कि ऐसे प्रयासों से वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी देश की सीमाओं से आगे विश्व स्तर पर भी अपनी प्रभावी पहचान निरंतर बनाए रखेगी।

देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे "अमृत महोत्सव" के अवसर पर आइए संकल्प लें कि वर्षभर हम अधिक से अधिक अपना मूल कार्य सरल और सुबोध हिंदी में करेंगे और अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करेंगे।

जय हिंद।

(राजीव गौबा)

आकृति 8: माननीय मंत्रिमंडल सचिव श्री राजीव गौबा जी का संदेश

माननीय महानिदेशक, निफ्ट श्री शांतमनु जी का संदेश

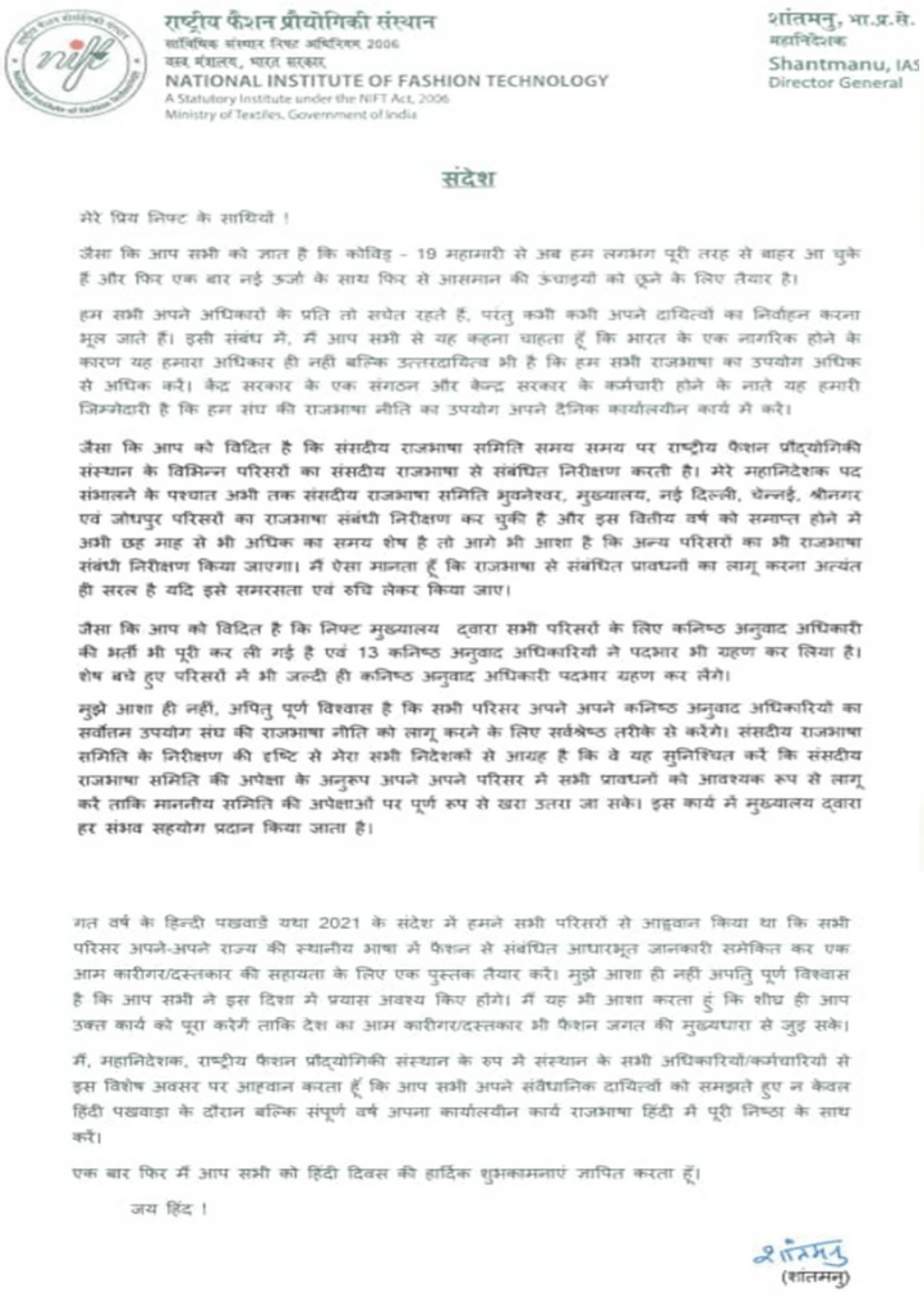

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
सांविधिक संस्थान निफ्ट अधिनियम, 2006
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY
A Statutory Institute under the NIFT Act, 2006
Ministry of Textiles, Government of India

शांतमनु, भा.प्र.से.
महानिदेशक
Shantmanu, IAS
Director General

संदेश

मेरे प्रिय निफ्ट के साथियों !

जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि कोविड - 19 महामारी से अब हम लगभग पूरी तरह से बाहर आ चुके हैं और फिर एक बार नई ऊर्जा के साथ फिर से आसमान की ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

हम सभी अपने अधिकारों के प्रति तो सचेत रहते हैं, परंतु कभी कभी अपने दायित्वों का निर्वाहन करना भूल जाते हैं। इसी संबंध में, मैं आप सभी से यह कहना चाहता हूँ कि भारत के एक नागरिक होने के कारण यह हमारा अधिकार ही नहीं बल्कि उत्तरदायित्व भी है कि हम सभी राजभाषा का उपयोग अधिक से अधिक करें। केंद्र सरकार के एक संगठन और केन्द्र सरकार के कर्मचारी होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम संघ की राजभाषा नीति का उपयोग अपने दैनिक कार्यालयीन कार्य में करें।

जैसा कि आप को विदित है कि संसदीय राजभाषा समिति समय समय पर राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के विभिन्न परिसरों का संसदीय राजभाषा से संबंधित निरीक्षण करती है। मेरे महानिदेशक पद संभालने के पश्चात अभी तक संसदीय राजभाषा समिति भुवनेश्वर, मुख्यालय, नई दिल्ली, चेन्नई, श्रीनगर एवं जोधपुर परिसरों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण कर चुकी है और इस वित्तीय वर्ष को समाप्त होने में अभी छह माह से भी अधिक का समय शेष है तो आगे भी आशा है कि अन्य परिसरों का भी राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया जाएगा। मैं ऐसा मानता हूँ कि राजभाषा से संबंधित प्रावधानों का लागू करना अत्यंत ही सरल है यदि इसे समरसता एवं रुचि लेकर किया जाए।

जैसा कि आप को विदित है कि निफ्ट मुख्यालय द्वारा सभी परिसरों के लिए कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी की भर्ती भी पूरी कर ली गई है एवं 13 कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों ने पदभार भी ग्रहण कर लिया है। शेष बचे हुए परिसरों में भी जल्दी ही कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी पदभार ग्रहण कर लेंगे।

मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि सभी परिसर अपने अपने कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों का सर्वोत्तम उपयोग संघ की राजभाषा नीति को लागू करने के लिए सर्वश्रेष्ठ तरीके से करेंगे। संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण की दृष्टि से मेरा सभी निदेशकों से आग्रह है कि वे यह सुनिश्चित करें कि संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षा के अनुरूप अपने अपने परिसर में सभी प्रावधानों को आवश्यक रूप से लागू करें ताकि माननीय समिति की अपेक्षाओं पर पूर्ण रूप से खरा उतरा जा सके। इस कार्य में मुख्यालय द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाता है।

गत वर्ष के हिन्दी पखवाड़े यथा 2021 के संदेश में हमने सभी परिसरों से आह्वान किया था कि सभी परिसर अपने-अपने राज्य की स्थानीय भाषा में फैशन से संबंधित आधारभूत जानकारी समेकित कर एक आम कारीगर/दस्तकार की सहायता के लिए एक पुस्तक तैयार करें। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी ने इस दिशा में प्रयास अवश्य किए होंगे। मैं यह भी आशा करता हूं कि शीघ्र ही आप उक्त कार्य को पूरा करेंगे ताकि देश का आम कारीगर/दस्तकार भी फैशन जगत की मुख्यधारा से जुड़ सके।

मैं, महानिदेशक, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के रुप में संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से इस विशेष अवसर पर आह्वान करता हूँ कि आप सभी अपने संवैधानिक दायित्वों को समझते हुए न केवल हिंदी पखवाड़ा के दौरान बल्कि संपूर्ण वर्ष अपना कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में पूरी निष्ठा के साथ करें।

एक बार फिर मैं आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ज्ञापित करता हूँ।

जय हिंद !

(शांतमनु)

आकृति 9: माननीय महानिदेशक, निफ्ट श्री शांतमनु जी का संदेश

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
(सदैव ऊर्जावान ; निरंतर प्रयासरत)

राजभाषा प्रतिज्ञा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम, केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से; अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से; प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे; अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए; अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा- हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे| हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे|

जय राजभाषा ! जय हिंद !

--

आकृति 10: राजभाषा प्रतिज्ञा

राजभाषा प्रतिज्ञा की झलकियाँ:

माननीय निदेशक महोदय जी एवं परिसर के सभी सदस्यों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा ली गयी।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए):

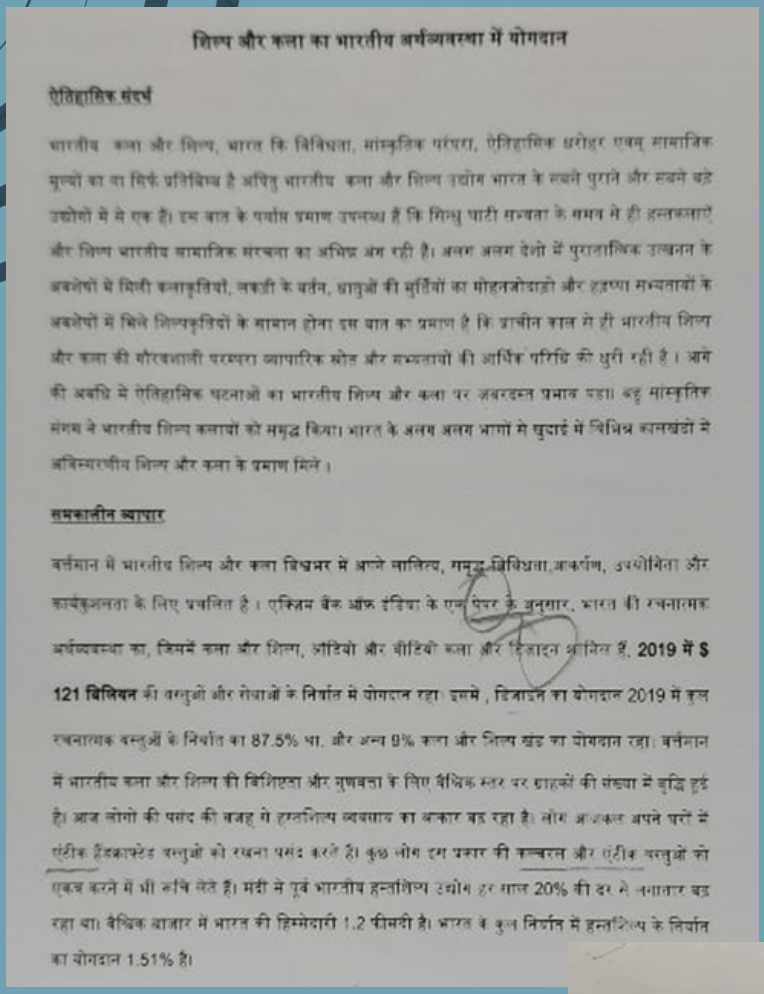

शिल्प और कला का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान

ऐतिहासिक संदर्भ

भारतीय कला और शिल्प, भारत कि विविधता, सांस्कृतिक परंपरा, ऐतिहासिक धरोहर एवम् सामाजिक मूल्यों का ना सिर्फ प्रतिबिम्ब है अपितु भारतीय कला और शिल्प उद्योग भारत के सबसे पुराने और सबसे बड़े उद्योगों में से एक है। इस बात के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध हैं कि सिन्धु घाटी सभ्यता के समय से ही हस्तकलाएं और शिल्प भारतीय सामाजिक संरचना का अभिन्न अंग रही है। अलग अलग देशों में पुरातात्विक उत्खनन के अवशेषों से मिली कलाकृतियों, लकड़ी के बर्तन, धातुओं की मूर्तियों का मोहनजोदड़ो और हड़प्पा सभ्यताओं के अवशेषों में मिले शिल्पकृतियों के सामान होना इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन काल से ही भारतीय शिल्प और कला की गौरवशाली परम्परा व्यापारिक स्रोत और सभ्यताओं की आर्थिक परिधि की धुरी रही है। आगे की अवधि में ऐतिहासिक घटनाओं का भारतीय शिल्प और कला पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा। बहु सांस्कृतिक संगम ने भारतीय शिल्प कलाओं को समृद्ध किया। भारत के अलग अलग भागों में खुदाई में विभिन्न कालखंडों में अविस्मरणीय शिल्प और कला के प्रमाण मिले।

समकालीन व्यापार

वर्तमान में भारतीय शिल्प और कला विश्वभर में अपने लालित्य, समृद्ध विविधता, आकर्षण, उपयोगिता और कार्यकुशलता के लिए प्रचलित है। एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया के एक पेपर के अनुसार, भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का, जिसमें कला और शिल्प, ऑडियो और वीडियो कला और डिजाइन शामिल हैं, **2019 में $ 121 बिलियन** की वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में योगदान रहा। इसमें, डिजाइन का योगदान 2019 में कुल रचनात्मक वस्तुओं के निर्यात का 87.5% था, और अन्य 9% कला और शिल्प खंड का योगदान रहा। वर्तमान में भारतीय कला और शिल्प की विशिष्टता और गुणवत्ता के लिए वैश्विक स्तर पर ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हुई है। आज लोगों की पसंद की वजह से हस्तशिल्प व्यवसाय का आकार बढ़ रहा है। लोग आजकल अपने घरों में एंटीक हैंडक्राफ्टेड वस्तुओं को रखना पसंद करते हैं। कुछ लोग इस प्रकार की कलाकृतियों और एंटीक वस्तुओं को एकत्र करने में भी रुचि लेते हैं। मंदी से पूर्व भारतीय हस्तशिल्प उद्योग हर साल 20% की दर से लगातार बढ़ रहा था। वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी 1.2 फीसदी है। भारत के कुल निर्यात में हस्तशिल्प के निर्यात का योगदान 1.51% है।

-1-

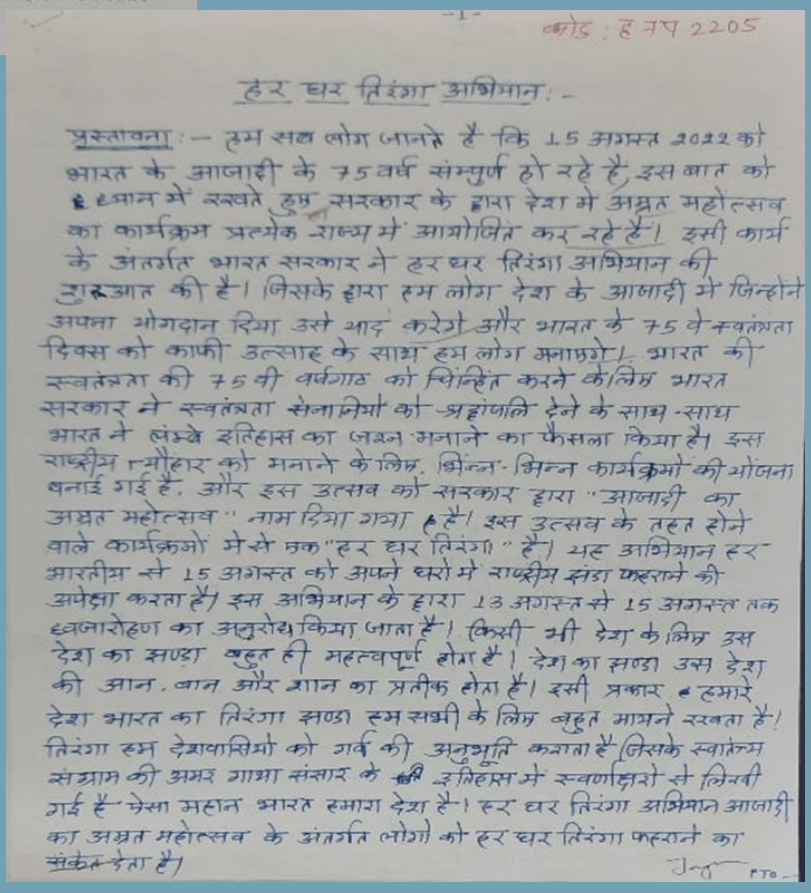

कोड : ह न प 2205

हर घर तिरंगा अभियान :-

<u>प्रस्तावना</u> :- हम सब लोग जानते है कि 15 अगस्त 2022 को भारत के आजादी के 75 वर्ष संम्पुर्ण हो रहे है, इस बात को ध्यान में रखते हुए सरकार के द्वारा देश मे अम्रत महोत्सव का कार्यक्रम प्रत्येक राज्य में आयोजित कर रहे हैं। इसी कार्य के अंतर्गत भारत सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान की शुरूआत की है। जिसके द्वारा हम लोग देश के आजादी मे जिन्होंने अपना योगदान दिया उसे याद करेंगे और भारत के 75 वे स्वतंत्रता दिवस को काफी उत्साह के साथ हम लोग मनाएंगे। भारत की स्वतंत्रता की 75 वी वर्षगाठ को चिन्हित करने के लिए भारत सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ भारत ने लंम्बे इतिहास का जश्न मनाने का फैसला किया है। इस राष्ट्रीय त्यौहार को मनाने के लिए, भिन्न-भिन्न कार्यक्रमो की योजना बनाई गई है, और इस उत्सव को सरकार द्वारा "आजादी का अम्रत महोत्सव" नाम दिया गया है। इस उत्सव के तहत होने वाले कार्यक्रमों मे से एक "हर घर तिरंगा" है। यह अभियान हर भारतीय से 15 अगस्त को अपने घरो मे राष्ट्रीय झंडा फहराने की अपेक्षा करता है। इस अभियान के द्वारा 13 अगस्त से 15 अगस्त तक ध्वजारोहण का अनुरोध किया जाता है। किसी भी देश के लिए उस देश का झण्डा बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। देश का झण्डा उस देश की आन, बान और शान का प्रतीक होता है। इसी प्रकार हमारे देश भारत का तिरंगा झण्डा हम सभी के लिए बहुत मायने रखता है। तिरंगा हम देशवासियों को गर्व की अनुभूति कराता है जिसके स्वातंत्र्य संग्राम की अमर गाथा संसार के इतिहास में स्वर्णाक्षरो से लिखी गई है ऐसा महान भारत हमारा देश है। हर घर तिरंगा अभियान आजादी का अम्रत महोत्सव के अंतर्गत लोगो को हर घर तिरंगा फहराने का संकेत देता है।

PTO

हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए):

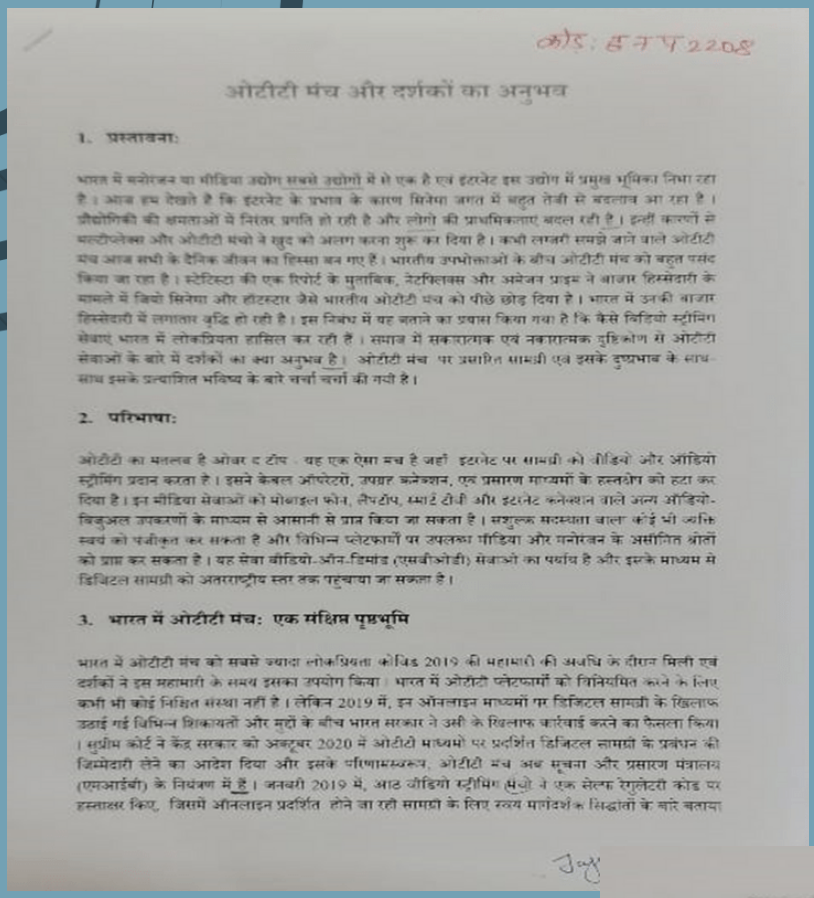

कोड: इनप2208

ओटीटी मंच और दर्शकों का अनुभव

1. प्रस्तावना:

भारत में मनोरंजन या मीडिया उद्योग सबसे उद्योगों में से एक है एवं इंटरनेट इस उद्योग में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। आज हम देखते है कि इंटरनेट के प्रभाव के कारण सिनेमा जगत में बहुत तेजी से बदलाव आ रहा है। प्रौद्योगिकी की क्षमताओं में निरंतर प्रगति हो रही है और लोगो की प्राथमिकताएं बदल रही है। इन्हीं कारणों से मल्टीप्लेक्स और ओटीटी मंचो ने खुद को अलग करना शुरू कर दिया है। कभी लग्जरी समझे जाने वाले ओटीटी मंच आज सभी के दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं। भारतीय उपभोक्ताओं के बीच ओटीटी मंच को बहुत पसंद किया जा रहा है। स्टेटिस्टा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम ने बाजार हिस्सेदारी के मामले में जियो सिनेमा और हॉटस्टार जैसे भारतीय ओटीटी मंच को पीछे छोड़ दिया है। भारत में उनकी बाजार हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हो रही है। इस निबंध में यह बताने का प्रयास किया गया है कि कैसे विडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं भारत में लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। समाज में सकारात्मक एवं नकारात्मक दृष्टिकोण से ओटीटी सेवाओं के बारे में दर्शकों का क्या अनुभव है। ओटीटी मंच पर प्रसारित सामग्री एवं इसके दुष्प्रभाव के साथ-साथ इसके प्रत्याशित भविष्य के बारे चर्चा चर्चा की गयी है।

2. परिभाषा:

ओटीटी का मतलब है ओवर द टॉप . यह एक ऐसा मच है जहाँ इंटरनेट पर सामग्री को वीडियो और ऑडियो स्ट्रीमिंग प्रदान करता है। इसने केवल ऑपरेटरों, उपग्रह कनेक्शन, एवं प्रसारण माध्यमों के हस्तक्षेप को हटा कर दिया है। इन मीडिया सेवाओं को मोबाइल फोन, लैपटॉप, स्मार्ट टीवी और इंटरनेट कनेक्शन वाले अन्य ऑडियो-विजुअल उपकरणों के माध्यम से आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। सशुल्क सदस्यता वाला कोई भी व्यक्ति स्वयं को पंजीकृत कर सकता है और विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपलब्ध मीडिया और मनोरंजन के असीमित स्रोतों को प्राप्त कर सकता है। यह सेवा वीडियो-ऑन-डिमांड (एसवीओडी) सेवाओं का पर्याय है और इसके माध्यम से डिजिटल सामग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जा सकता है।

3. भारत में ओटीटी मंच: एक संक्षिप्त पृष्ठभूमि

भारत में ओटीटी मंच को सबसे ज्यादा लोकप्रियता कोविड 2019 की महामारी की अवधि के दौरान मिली एवं दर्शकों ने इस महामारी के समय इसका उपयोग किया। भारत में ओटीटी प्लेटफार्मों को विनियमित करने के लिए कभी भी कोई निश्चित संस्था नहीं है। लेकिन 2019 में, इन ऑनलाइन माध्यमों पर डिजिटल सामग्री के खिलाफ उठाई गई विभिन्न शिकायतों और मुद्दों के बीच भारत सरकार ने उसी के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अक्टूबर 2020 में ओटीटी माध्यमों पर प्रदर्शित डिजिटल सामग्री के प्रबंधन की जिम्मेदारी लेने का आदेश दिया और इसके परिणामस्वरूप, ओटीटी मंच अब सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) के नियंत्रण में हैं। जनवरी 2019 में, आठ वीडियो स्ट्रीमिंग मंचो ने एक सेल्फ रेगुलेटरी कोड पर हस्ताक्षर किए, जिसमें ऑनलाइन प्रदर्शित होने जा रही सामग्री के लिए स्वयं मार्गदर्शक सिद्धांतों के बारे बताया

भारत की मेक इन इंडिया नीति और भविष्य में उसका प्रभाव

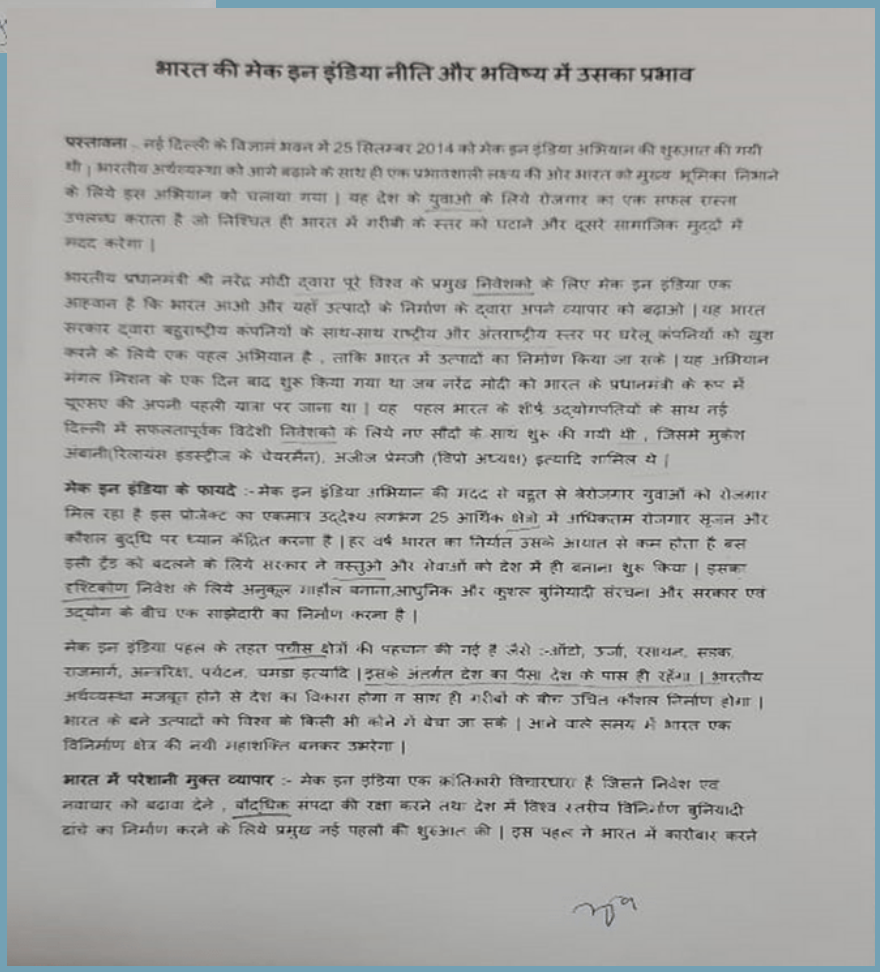

प्रस्तावना - नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 25 सितम्बर 2014 को मेक इन इंडिया अभियान की शुरुआत की गयी थी। भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के साथ ही एक प्रभावशाली लक्ष्य की ओर भारत को मुख्य भूमिका निभाने के लिये इस अभियान को चलाया गया। यह देश के युवाओ के लिये रोजगार का एक सफल रास्ता उपलब्ध कराता है जो निश्चित ही भारत में गरीबी के स्तर को घटाने और दूसरे सामाजिक मुद्दों में मदद करेगा।

भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे विश्व के प्रमुख निवेशको के लिए मेक इन इंडिया एक आह्वान है कि भारत आओ और यहाँ उत्पादो के निर्माण के द्वारा अपने व्यापार को बढ़ाओ। यह भारत सरकार द्वारा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर घरेलू कंपनियों को खुश करने के लिये एक पहल अभियान है, ताकि भारत में उत्पादों का निर्माण किया जा सके। यह अभियान मंगल मिशन के एक दिन बाद शुरू किया गया था जब नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में यूएसए की अपनी पहली यात्रा पर जाना था। यह पहल भारत के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ नई दिल्ली में सफलतापूर्वक विदेशी निवेशको के लिये नए सौदों के साथ शुरू की गयी थी, जिसमे मुकेश अंबानी(रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन), अजीज प्रेमजी (विप्रो अध्यक्ष) इत्यादि शामिल थे।

मेक इन इंडिया के फायदे :- मेक इन इंडिया अभियान की मदद से बहुत से बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल रहा है इस प्रोजेक्ट का एकमात्र उद्देश्य लगभग 25 आर्थिक क्षेत्रो मे अधिकतम रोजगार सृजन और कौशल वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना है। हर वर्ष भारत का निर्यात उसके आयात से कम होता है बस इसी ट्रेंड को बदलने के लिये सरकार ने वस्तुओ और सेवाओं को देश में ही बनाना शुरू किया। इसका दृष्टिकोण निवेश के लिये अनुकूल माहौल बनाना,आधुनिक और कुशल बुनियादी संरचना और सरकार एवं उद्योग के बीच एक साझेदारी का निर्माण करना है।

मेक इन इंडिया पहल के तहत पच्चीस क्षेत्रों की पहचान की गई है जैसे :-ऑटो, ऊर्जा, रसायन, सड़क राजमार्ग, अन्तरिक्ष, पर्यटन, चमड़ा इत्यादि। इसके अंतर्गत देश का पैसा देश के पास ही रहेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत होने से देश का विकास होगा व साथ ही गरीबों के बीच उचित कौशल निर्माण होगा। भारत के बने उत्पादों को विश्व के किसी भी कोने में बेचा जा सके। आने वाले समय में भारत एक विनिर्माण क्षेत्र की नयी महाशक्ति बनकर उभरेगा।

भारत में परेशानी मुक्त व्यापार :- मेक इन इंडिया एक क्रांतिकारी विचारधारा है जिसने निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने, बौद्धिक संपदा की रक्षा करने तथा देश में विश्व स्तरीय विनिर्माण बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिये प्रमुख नई पहलों की शुरुआत की। इस पहल ने भारत में कारोबार करने

हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

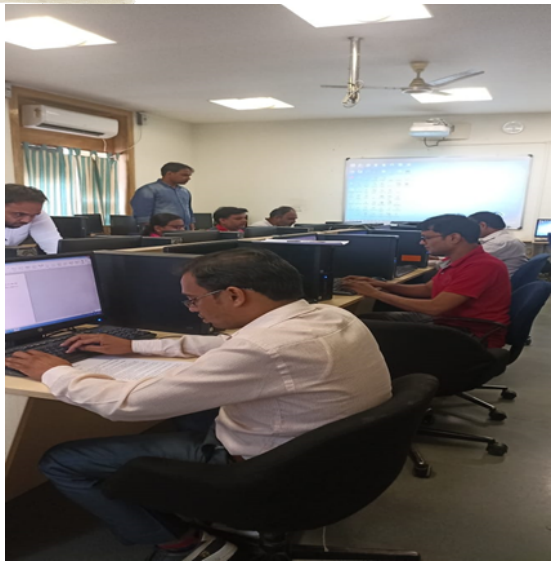

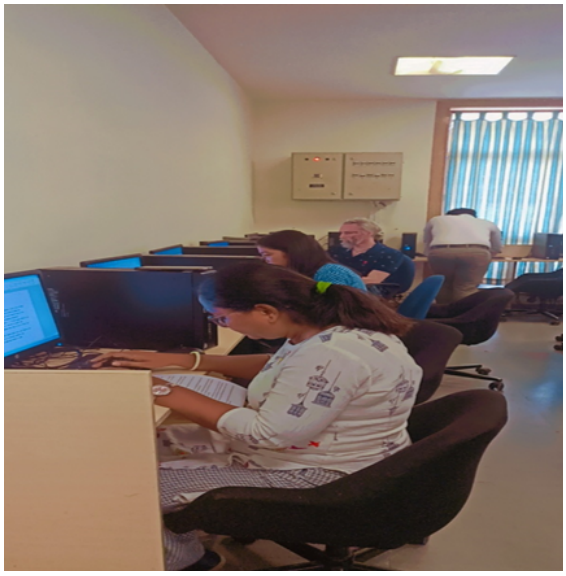

हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)

कोड: एच.टी.पी. 2208

विषय: आईएनएस विक्रांत:पहला स्वदेशी विमानवाहक

शब्द संख्या : 389

- हाल ही मे भारत के रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के हिस्से के रूप मे निर्मित स्वदेशी विमानवाहक, पर चल रहे कार्य की समीक्षा की।
- आईएनएस विक्रांत को वर्ष 2022 मे कमीशन किया गया है। वर्तमिन में भारत के पास केवल एक ही विमानवाहक पोत था, रूसी मूल का आईएनएस विक्रमादित्य।
- ईससे पहले रक्षा अधिग्रहण परिषद् ने ' प्रोजेक्ट – 751' के तहत भारतीय नौसेना हेतु छह उन्नत पनडुब्बियो के लिए ' प्रस्ताव निवेदन' जेरी करने की मंजूरी दी थी।
- स्वदेशी विमानवाहक का नाम नौसेना के सेवामुक्त प्रथम वाहक के नाम पर 'विक्रांत' रखा गया है।
- इसमें ३० विमानों का एक वायु घटक होगा, जिसमें स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टरों के ओलावा मिग -२९क लड़ाकू जेट,कमोव – 31 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग हेलीकॉप्टर और जल्द ही नौसेना मे शामिल होने वाले मल्टी – रोल हेलकॉप्टर होंगे।
- इसकी अधिकतम गति तकरीबन 30 समुद्री मील (लगभग 55 किमी . प्रति घंटा) होगी और इसे चार गैस टरबाइनों द्वारा संचालित किया जायेगा।स्वदेशी विमानवाहक एक बार मे १८ समुद्री मील (३२ किमी. प्रति घंटे) की गति से 7,500 समुद्री मील की दुरी तय करने मे सक्षम होगा।
- इस विमानवाहक पर हतियारों के रूप मे बराक एलआर एसएएम और एके – 630 शामिल है, साथ ही इसमें सेंसर के रूप में एमएफएसटीएआर और आरएएन – ४० एल ३डी रडार शामिल है। पोत मे 'शक्ति'नाम का इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट भी मौजूद है।
- इस विमानवाहक पोत मे विमान संचालन को नियंत्रण करने के लिये 'रनवे' और 'शोर्ट टेक ऑफ बट अरेस्टड रिकवरी' सिस्टम भी मौजूद है।
- विमानवाहक पोत की लड़ाकू क्षमता, पहुँच और बहुमुखी प्रतिभा देश की रक्षा में मज़बूत क्षमताओं को जोड़ेगी और समुद्री क्षेत्र में भारत के हितों को सुरक्षित रखने में मदद करेगी।
- यह लंबी दुरी पर वायु शक्ति को प्रक्षेपित करने की क्षमता के साथ एक अतुलनीय सैन्य उपकरण की पेशकश करेगा, जिसमें हवाई अवरोध, सतह-विरोधी युद्ध, आक्रामक और रक्षात्मक काउंटर-एयर, हवाई पनडुब्बिरोधी युद्ध तथा हवाई पूर्व चेतावनी शामिल है।
- समुद्री क्षमता परिप्रेक्ष्य योजना ( ) के अनुसार, वर्ष २०२७ तक भारत के पास लगबग २०० जहाज़ होने चाहिये परंतु लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकि है।
- हलाकि इसका कारण मुख्य रूप से वितपोषण नहीं बल्कि प्रतिक्रियात्मक देरी या स्वयं द्वारा लगाए गए कुछ प्रतिबंध है।
- नवसेना के पास अत्याधुनिक सोनार और राडार है। इस के अलावा इसके कई जहाजो मे स्वदेशी सामग्री की उच्च मात्रा इस्तेमाल की गयी है।

अंग्रेजी शब्द नहीं लिखे गये

64 गलतियां

अमर तिवारी

समय लगा : 55 मिनट

कोड: एच.टी.पी.2207

विषय: आईएनएस विक्रांत: पहला स्वदेशी विमानवाहक

शब्द संख्या: 389

- हाल ही में भारत के रक्षामंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के हिस्से के रूप में निर्मित स्वेदेशी विमानवाहक आई. एन. एस. विक्रांत (IAC-1) पर चल रहे कार्य की समीक्षा की।
- आई. एन. एस. विक्रांत को वर्ष 2022 में कमीशन किया गया है। वर्तमान में भारत के पास केवल एक ही विमानवाहक पोत था, रूसी मूल का आई. एन. एस. विक्रमादित्य।
- इससे पहले रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC) ने प्रोजेक्ट – 75I, के तहत भारतीय नौ सेना हेतु छः उन्नत पनडुब्बियों के लिए'प्रस्ताव निवेदन' (REF) जारी करने की मंजूरी दी थी।
- स्वदेशी विमानवाहक का नाम नौ सेना के सेवामुक्त प्रथम वाहक के नाम पर विक्रांत रखा गया है।
- इसमें 30 विमानों का एक वायु घटक होगा, जिसमे स्वदेसी उन्नत हल्के हेलिकाप्टरों के अलावा मिग 20 – K लड़ाकू जेट, कार्मोव- 30 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग हलिकोप्टर और जल्द ही नौ सेना में शामिल होने वाले MH-60R मल्टी रोल हेलीकॉप्टर होंगे।
- इसकी अधिकतम गति तकरीबन 30 समुद्र मील (लगभग 55 किमी, घंटा) होगीऔर इसे चार गैस टरबाइनों द्वारा संचालित किया जायेगा, स्वदेशी विमानवाहक एक बार में 18 समुद्री मील (32 किमी, घंटे) की गति से 7500 समुद्री मील की दूरी तय करने में सक्षम होगा।
- इस विमानवाहक पर हथियारों के रूप में बराक- एल आर एसएएम् और एके-630 शामिल है, साथ ही इसमें सेंसर के रूप में एम् ऍफएसटीआर और आरएएन-40 एल 3 डी राडार शामिल है, पोत में शक्ति नाम का इलेक्ट्रोनिक वारफेयर सूट भी मौजूद है।
- इस विमान पोत में विमान संचालन को नियंत्रित करने के लिए रनवे और शार्ट टेक ऑफ़ बट अरेस्टाद रिकवरी सिस्टम भी मौजूद है।
- विमानवाहक पोत की लड़ाकू छमता, पहुँच और बहुमुखी प्रतिभा देश की रक्षा में मज़बूत क्षमताओं को जोड़ेगी और समुद्री क्षेत्र में भारत के हितों को सुरक्षित रखने में मदद करेगी।
- यह लंबी दुरी पर वायु शक्ति को प्रक्षेपित करने के साथ एक अतुलिय सैन्य उपकरण की पेशकस करेगा, जिसमे हवाई अवरोध, सतह-विरोधी युद्ध, आक्रामक और रक्षात्मक काउंटर-एयर, हवाई पनडुब्बीरोधी युद्ध तथा हवाई पूर्व चेतावनी शामिल है।
- समुद्री क्षमता परिपेक्ष्य योजना (Maritime Capability Perspective Plan) के अनुसार, वर्ष 2027 तक भारत के पास लगभग 200 जहाज होने चाहिए परन्तु लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है।
- हालाँकि इसका कारण मुख्य रूप से वित्तपोषण नहीं बल्कि प्रक्रियात्मक देरी या स्वयं द्वारा लगाये गये कुछ प्रतिबन्ध है।
- नौसेना के पास अत्याधुनिक सोनार और राडार है, इसके अलावा इसके कई जहाज़ों में स्वेदेशी सामग्री की उच्च मात्रा इस्तमाल की गयी है।

57 गलतियां

अमर तिवारी

समय लगा: 25 मिनट

कोड: एच.टी.पी 2210

विषय : आईएनएस विक्रांत: पहला स्वदेशी विमानवाहक

- हाल ही मे भारत के रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के हिस्से के रूप में निर्मित स्वदेशी विमानवाहक आईएनएस विक्रांत (IAC-1) पर चल रहे कार्य कई समीक्षा की।
- आईएनएस विक्रांत को वर्ष 2022 मे कमीशन किया गया है। वर्तमान मे भारत के पास केवल एक ही विमानवाहक पोत था, रूसी मूल का आईएनएस विक्रमादित्य।
- इससे पहले रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC) ने ' प्रोजेक्ट-७५१' के तहत भारतीय नौसेना हेतु छः उन्नत पनडुब्बियोके लिए 'प्रस्ताव निवेदन' (RFP) जेरी करने कई मंजूरी दी थी।
- स्वदेशी विमानवाहन का नाम नौसेना के सेवामुक्त प्रथम वाहन के नाम पर 'विक्रांत' रखा गया है।
- इसमें 30 विमानों का एक वायु घटक होगा, जिसमे स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टरों के अलावा मिग- 29K लड़ाकू जेट, कमोव-31 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग हेलीकॉप्टर और जल्द ही नौसेना मैं शामिल होने वाले MH-60R मुल्टी- रोल हेलीकॉप्टर होगे।
- इसकी अधिकतम गति तकरीबन 30 समुद्री मील (लगभग 55 किमी. प्रति घंटा) होगी और इसे चार गैस तुर्बिनो द्वारा संचालित किया जायेगा। स्वदेशी विमानवहन एक बार मे 18 समुद्री मील (32 किमी. प्रति घंटे) कई गति से 7,500 समुद्री मील कई दुरी तय करने मे सक्षम होगा।
- एक विमानवाहन पर हथियारो के रूप मे बराक एलआर एसएएमे और एके- 630 शामिल है, साथ ही इसमें सेंसर के रूप मे एमएफएसटीएआर और आरएएन - 40 एल 3डी रडार शामिल हैं। पोत मे 'शक्ति' नाम का इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट भी मौजूद है।
- इस विमानवाहक पोत मे विमान संचालक को नियंत्रित करने के लिए 'रनवे' और 'शोर्ट टेक ऑफ बुत अरेस्टड रिकवरी सिस्टम' भी मौजूद है।
- विमानवाहक पोत कई लड़ाकू क्षमता, पहुंच और बहुमुखी प्रतिभा देश की कई रक्षा मे मजबूत क्षमताओ को जोडेगीऔर समुद्री क्षेत्र मे भारत के हितो को सुरक्षित रखने मे मदद करेगी।
- यह लंबी दुरी पर वायु शक्ति को प्रक्षेपित करने कई क्षमता के साथ एक अतुलनीय सेन्य उपकरण कई पेशकश करेगा, जिसमे हवाई अवरोध, सतह-विरोधी युद्ध, आक्रामक और रक्षात्मक काउंटर-एयर, हवाई पनडुब्बीरोधी युद्ध तथा हवाई पूर्व चेतावनी शामिल है।
- समुद्री क्षमता परिप्रेक्ष्य योजना (Maritime Capability Perspective Plan) के अनुसार, वर्ष 2027 तक भारत के पास लगभग 200 जहाज़ होने चाहिए परन्तु लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बाकि है।
- हलाकि इसका कारने मुख्यी रूप से वितुपोषण नही प्रक्रियात्मक देरी या स्वयं द्वारा लगाये गए प्रतिबंध है।

44 (गलतियां)

अमर तिवारी

समय लगा : 36 मिनट

विषय : आईएनएस विकांत : पहला स्वदेशी विमानवाहक

- हाल ही मे भारत के रक्षा मंत्री ने "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के हिस्से के रूप मे निर्मित स्वदेशी विमानवाहक आई एन एस विकांत (IAC-I) पर चल रहे कार्य की समीक्षा की।
- आईएनएस विकांत को वर्ष 2022 मे कमीशन किया गया है। वर्तमान मे भारत के पास केवल एक ही विमानवाहक पोत था, रूसी मूल का आईएनएस विक्रमादित्य।
- इससे पहले रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC) ने "प्रोजेक्ट-75I" के तहत भारतीय नौसेना हेतु छह उन्नत पनडुब्बियो के लिए "प्रस्ताव निवेदन" (RFP) जारी करने की मंजूरी दी थी।
- स्वदेशी विमानवाहक का नाम नौसेना के सेवामुक्त प्रथम वाहक के नाम पर "विक्रांत" रखा गया है।
- इसमे 30 विमानो का एक वायु घटक होगा, जिसमे स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टरो के अलावा मिग - 29K लड़ाकू जेट, कामोव-31 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग हेहेलिकॉप्टर और जल्द ही नौसेना में शामिल होने वाले MH-60R मुलती-रोल हेलिकॉप्टर होंगे।
- इसकी अधिकतम गति तकरीबन 30 समुद्री मिल (लगभग 55 किमि. प्रति घंट) होगि और इसे चर गैस तर्बेनो द्वारा संचालित किया जायेगा। स्वदेशी विमानवाहक एक बार में 18 समुद्री मील (32 किमी. प्रति घंटे) की गति से 7500 समुद्री मिल की दुरी तय करने में सक्षम होगा।
- इस विमानवाहक पर हथियारों के रूप मे बराक एलआर एसएएम् और एके-630 शामिल हैं, साथ ही उसमें सैसर के रूप मे एमएफएसटीएआर और आरएएन - 40 एल 3डी रडार शामिल हैं। पोत मे "शक्ति" नाम का इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट भी मौजूद है।
- इस विमानवाहक पोत मे विमान संचालन को नियंत्रित करने के लिए "रनवे" और "शॉर्ट टेक ऑफ बट अरेस्टेड रिकवरी" सिस्टम भी मौजूद है।
- विमानवाहक पोत की लड़ाकू क्षमता, पहुँच और बहुमुखी प्रतिभा देश की रक्षा में मज़बूत क्षमताओं को जोड़ेगी और समुद्री क्षेत्र मे भारत के हितों को सुरक्षित रखने मे मदद करेगी।
- यह लंबी दुरी पर वायु शक्ति को प्रक्षेपित करने की क्षमता के साथ एक अतुलनीय सैन्य उपकरण की पेशकश करेगा, जिसमे हवाई अवरोध, सतह-विरोधी युद्ध आक्रामक और रक्षात्मक काउंटर-एयर, हवाइ पणडुब्बीरोधी युद्ध तथा हवाई पूर्व चेतावनी शामिल हैं।
- समुद्री क्षमता परिप्रेक्ष्य योजना (Maritime Capability Perspective Plan) के अनुसार, वर्ष 2027 तक भारत के पास लगभग 200 जहाज़ होने चाहिये परंतु लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी भी बहुत कुछ करना बकि है।
- हालाँकि इसका कारन मुख्य रूप से वितुपोषण नहीं बल्कि प्रक्रियात्मक देरी या स्वयं द्वारा लगाए गए कुछ प्रतिबंध हैं।
- नौसेना के पास अत्याधुनिक सोनार और रडार हैं। इसके अलावा इसके कई जहाज़ो में स्वदेश सामग्री की उच्च मात्र इस्तेमाल की गई है।

30 गलतियां

अमर तिवारी

समय लगा : 35 मिनट

हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)

हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)

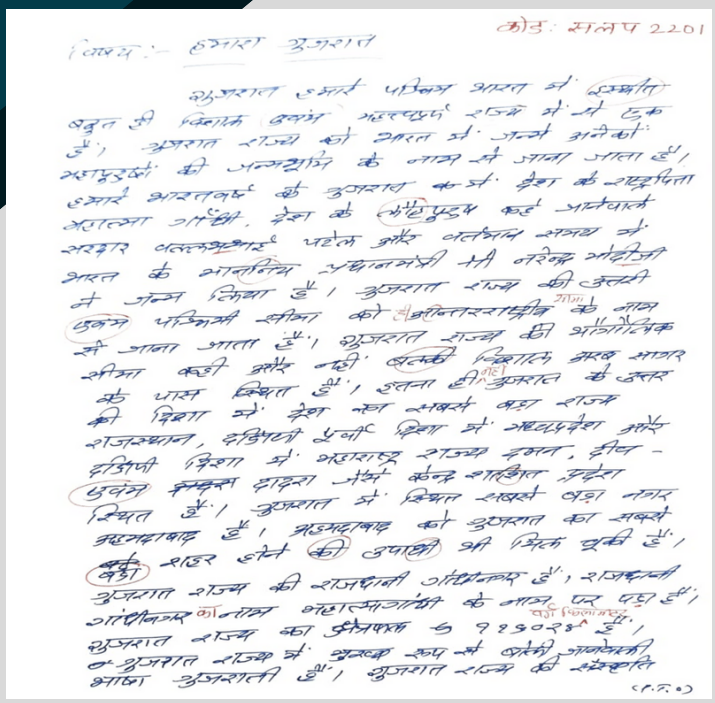

कोड: सलप 2201

विषय :- हमारा गुजरात

गुजरात हमारे पश्चिम भारत में स्थित बहुत ही विशाल एवं महत्त्वपूर्ण राज्यों में से एक है। गुजरात राज्य को भारत में जन्मे अनेकों महापुरुषों की जन्मभूमि के नाम से जाना जाता है। हमारे भारतवर्ष के गुजरात में देश के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, देश के लौहपुरुष कहे जानेवाले सरदार वल्लभभाई पटेल और वर्तमान समय में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने जन्म लिया है। गुजरात राज्य की उत्तरी एवं पश्चिमी सीमा को अंतरराष्ट्रीय सीमा के नाम से जाना जाता है। गुजरात राज्य की भौगोलिक सीमा कहीं और नहीं बल्कि विशाल अरब सागर के पास स्थित है। इतना ही नहीं गुजरात के उत्तर की दिशा में देश का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान, दक्षिणी पूर्वी दिशा में मध्यप्रदेश और दक्षिणी दिशा में महाराष्ट्र राज्य दमन, दीव एवं दादरा जैसे केन्द्र शासित प्रदेश स्थित हैं। गुजरात में स्थित सबसे बड़ा नगर अहमदाबाद है। अहमदाबाद को गुजरात का सबसे बड़ा शहर होने की उपाधि भी मिल चुकी है। गुजरात राज्य की राजधानी गाँधीनगर है। राजधानी गाँधीनगर का नाम महात्मा गाँधी के नाम पर पड़ा है। गुजरात राज्य का क्षेत्रफल 115024 वर्ग किलोमीटर है। गुजरात राज्य में मुख्य रूप से बोली जानेवाली भाषा गुजराती है। गुजरात राज्य की संस्कृति

P.T.O.

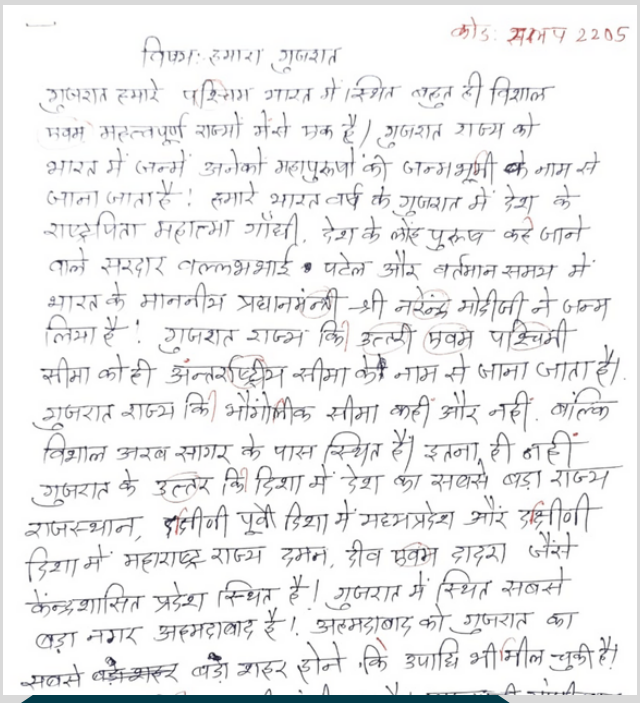

कोड: सलप 2205

विषय: हमारा गुजरात

गुजरात हमारे पश्चिम भारत में स्थित बहुत ही विशाल एवम् महत्त्वपूर्ण राज्यों मेंसे एक है। गुजरात राज्य को भारत में जन्में अनेकों महापुरुषों की जन्मभूमी के नाम से जाना जाता है। हमारे भारत वर्ष के गुजरात में देश के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, देश के लोहपुरुष कहे जाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल और वर्तमान समय में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने जन्म लिया है। गुजरात राज्य कि उत्तरी एवम पश्चिमी सीमा को ही अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नाम से जाना जाता है। गुजरात राज्य कि भौगोलिक सीमा कहीं और नहीं, बल्कि विशाल अरब सागर के पास स्थित है। इतना ही नहीं गुजरात के उत्तर कि दिशा में देश का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान, दक्षीणी पूर्वी दिशा में मध्यप्रदेश और दक्षीणी दिशा में महाराष्ट्र राज्य दमन, दीव एवम दादरा जैसे केंद्रशासित प्रदेश स्थित है। गुजरात में स्थित सबसे बड़ा नगर अहमदाबाद है। अहमदाबाद को गुजरात का सबसे बड़ा शहर होने कि उपाधि भी मिल चुकी है।

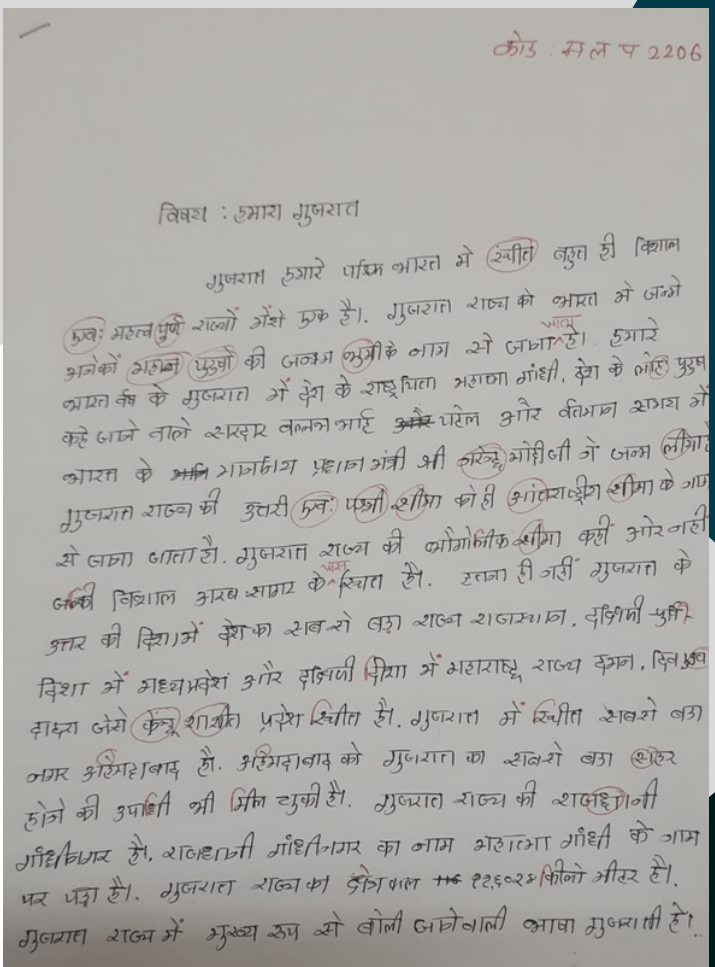

कोड: सलप 2206

विषय : हमारा गुजरात

गुजरात हमारे पश्चिम भारत मे स्थीत बहुत ही विशाल एवं महत्वपुर्ण राज्यों मेंसे एक है। गुजरात राज्य को भारत मे जन्मे अनेकों महान पुरुषों की जनम भुमीके नाम से जाना जाता है। हमारे भारत वर्ष के गुजरात में देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, देश के लोह पुरुष कहे जाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल और वर्तमान समय में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने जन्म लिया है। गुजरात राज्य की उत्तरी एवं पश्चीमी सीमा को ही आंतराष्ट्रीय सीमा के नाम से जाना जाता है। गुजरात राज्य की भौगोलिक सीमा कही और नही बल्कि विशाल अरब सागर के पास स्थित है। इतना ही नहीं गुजरात के उत्तर की दिशा में देश का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान, दक्षिणी पूर्वी दिशा में मध्यप्रदेश और दक्षिणी दिशा में महाराष्ट्र राज्य दमन, दिव एवं दादरा जेसे केन्द्र शासीत प्रदेश स्थीत है। गुजरात में स्थीत सबसे बड़ा नगर अहमदाबाद है। अहमदाबाद को गुजरात का सबसे बड़ा शहर होने की उपाधि भी मिल चुकी है। गुजरात राज्य की राजधानी गांधीनगर है। राजधानी गांधीनगर का नाम महात्मा गांधी के नाम पर पड़ा है। गुजरात राज्य का क्षेत्रफल १९६०२४ किलोमीटर है। गुजरात राज्य में मुख्य रूप से बोली जानेवाली भाषा गुजराती है।

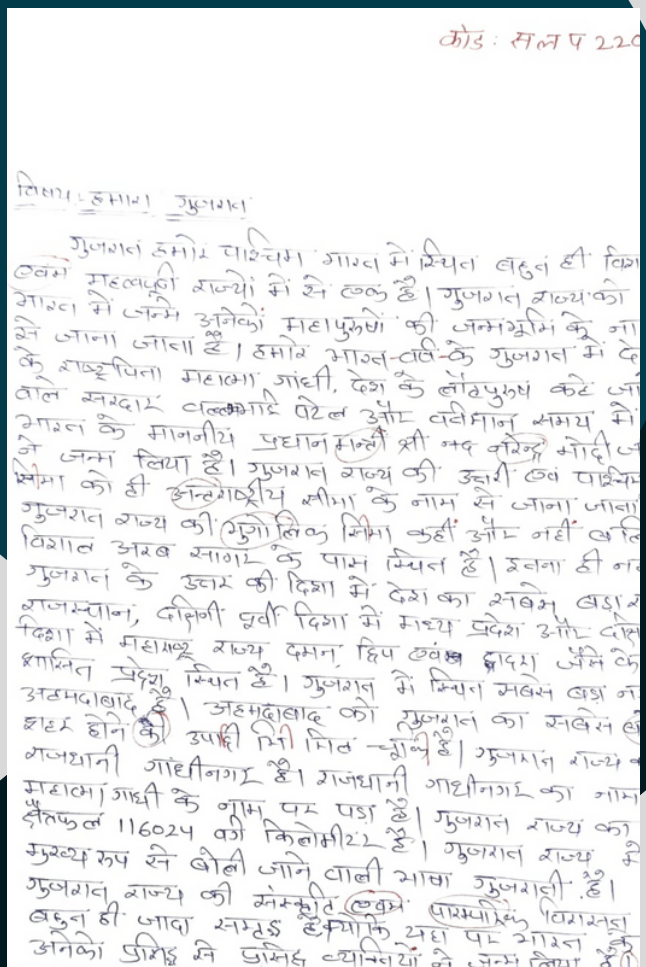

कोड: सलप 220

विषय: हमारा गुजरात

गुजरात हमारे पश्चिम भारत में स्थित बहुत ही विशाल एवं महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। गुजरात राज्य को भारत में जन्मे अनेकों महापुरुषों की जन्मभूमि के नाम से जाना जाता है। हमारे भारतवर्ष के गुजरात में देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, देश के लौहपुरुष कहे जाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल और वर्तमान समय में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने जन्म लिया है। गुजरात राज्य की उत्तरी एवं पश्चिमी सीमा को ही अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के नाम से जाना जाता है। गुजरात राज्य की भौगोलिक सीमा कहीं और नहीं बल्कि विशाल अरब सागर के पास स्थित है। इतना ही नहीं गुजरात के उत्तर की दिशा में देश का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान, दक्षिणी पूर्वी दिशा में मध्य प्रदेश और दक्षिणी दिशा में महाराष्ट्र राज्य दमन, द्विप एवं दादरा जैसे केन्द्र शासित प्रदेश स्थित हैं। गुजरात में स्थित सबसे बड़ा नगर अहमदाबाद है। अहमदाबाद को गुजरात का सबसे बड़ा शहर होने की उपाधि भी मिल चुकी है। गुजरात राज्य की राजधानी गांधीनगर है। राजधानी गांधीनगर का नाम महात्मा गांधी के नाम पर पड़ा है। गुजरात राज्य का क्षेत्रफल 116024 वर्ग किलोमीटर है। गुजरात राज्य में मुख्य रूप से बोली जाने वाली भाषा गुजराती है। गुजरात राज्य की संस्कृति एवं पारम्परिक विरासत बहुत ही ज्यादा समृद्ध है क्योंकि यहाँ पर भारत के अनेकों प्रसिद्ध से प्रसिद्ध व्यक्तियों ने जन्म लिया है।

हिंदी मीम्स डिजाईन प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतयोगिता

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतयोगिता

हमारे देश कि भिन्न "संस्कृति" (भारत)

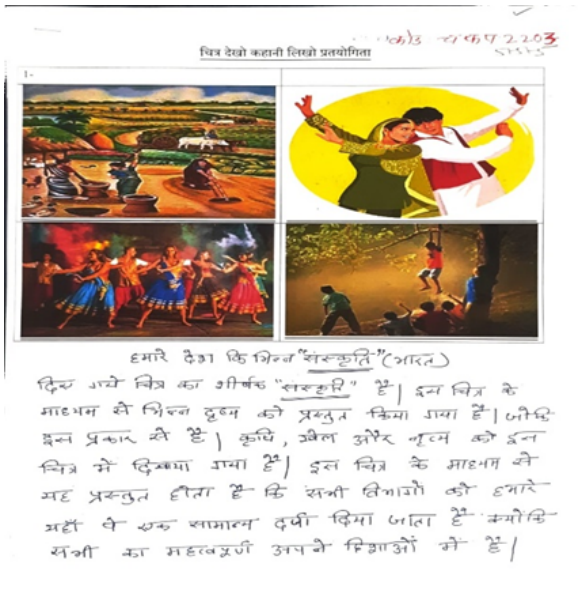

दिए गये चित्र का शीर्षक "संस्कृति" है। इन चित्र के माध्यम से भिन्न दृश्य को प्रस्तुत किया गया है। जोकि इस प्रकार से है। कृषि, खेल और नृत्य को इन चित्र में दिखाया गया है। इस चित्र के माध्यम से यह प्रस्तुत होता है कि सभी विभागों को हमारे यहाँ पे एक सामान्य दर्जा दिया जाता है क्योंकि सभी का महत्वपूर्ण अपने दिशाओं में है।

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतयोगिता

चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता

हिंदी नाम अभिधा गतिविधि

हिंदी पखवाडा के दौरान एक रोचक गतिविधि का आयोजन किया गया था। इस गतिवधि में प्रतिभागी को अपना नाम हिंदी में लिखना था एवं अपने नाम के आगे नाम का अर्थ हिंदी (देवनागिरी लिपि) में ही लिखना था। यह गतविधि पूरे पखवाड़े के दौरान चलती रही इसमें कर्मचारी, अधिकारी, एवं छात्रों ने बढ़- चढ़ कर भाग लिया। कई लोगो ने यह स्वीकार किया कि अपने नाम का हिंदी अर्थ जानना काफी रोचक रहा।

आकृति 11: अभिधा प्रतियोगिता में प्रतिभागी भाग लेते हुए

विजेताओं की सूची

निफ्ट, गांधीनगर में हिंदी पखवाड़े-2022 का आयोजन दिनांक 19-09-2022 से 30-09-2022 के बीच संपन्न हुआ, इस उपरान्त विभिन्न प्रतियोगितायों का आयोजन किया गया जिसमे परिसर के अधिकारी गण, संकाय गण, कर्मचारी गण एवं छात्रों ने अलग- अलग प्रतियोगितायों में भाग लियाI

प्रतियोगिता में भाग लिए गए विजताओं की सूची इस प्रकार है :

प्रतियोगिता का नाम	प्रतिभागी का नाम	विभाग	रोल नंबर (छात्रों के लिए)	पुरस्कार
हिंदी निबंध प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	नूपुर चोपड़ा	डी एफ टी		प्रथम
	संजीव जैन	संसाधन केंद्र		द्वितीय
	परीक्षित बियाणी	सूचना विभाग		तृतीय
	डॉ. नीलम चावड़ा	संसाधन केंद्र		प्रोत्साहन -1
	हरिश चन्द्र डामोर	प्राशासन		प्रोत्साहन -2
	रावत रमेश सिंह	आई टी		प्रोत्साहन -3
हिंदी टंकण गति प्रतियोगिता (केवल स्टाफ के लिए)	इमरान अली मन्सूरी	सी. ओ. इ. सेल		प्रथम
	सिंधु शरथ नाथ	स्थापना		द्वितीय
	डॉ. नीलम चावड़ा	संसाधन केंद्र		तृतीय
	सुस्मिता देव रानी	संसाधन केंद्र		प्रोत्साहन -1
	हैरीश लौरेंस	सी ए सी		प्रोत्साहन -2
	चिराग सोलंकी	प्रशासन		प्रोत्साहन -3
हिंदी श्रुत लेखन प्रतियोगिता (केवल एम्. टी. एस के लिए)	रावत रमेश सिंह	आई. टी.		प्रथम
	गोरधन कुमार. ऍम. सोलंकी	सी. ई. ओ. खादी विभाग		द्वितीय
	धर्मेन्द्र सिंह	टेक्सटाइल डिजाईन विभाग		तृतीय
	हरीश चन्द्र डामोर	प्राशासन		प्रोत्साहन -1
	नारायण सिंह राजपूत	एफ. ऍम. एस.		प्रोत्साहन -2
	गोडिल चंदू सिंह के.	लेखा विभाग		प्रोत्साहन -3
हिंदी मीम्स डिजाईन प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	विनायक पासी	डी एफ टी- 7	BFT/18/980	प्रथम
	कुमार यश जी	डी एफ टी- 5	BFT/20/213	द्वितीय
	श्रेया गुप्ता	डी एफ टी- 5	BFT/20/363	तृतीय
	ख्याति शर्मा	डी एफ टी- 3	BFT/21/129	प्रोत्साहन -1
हिंदी पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	तान्या वशिस्ठ	टी डी – 5	BD/20/924	प्रथम
	ज्ञानेश्वरी विनोद पिम्पले	टी डी – 3	BD/21/3427	द्वितीय
	रूपल पंचाल	एफ डी	BD/ 22 / 341	तृतीय
	श्वेता सिंह	डी एफ टी- 5	BFT/20/407	प्रोत्साहन -1
	प्रगति जैसवाल	डी एफ टी- 5	BFT/20/407	प्रोत्साहन -2
चित्र देखो कहानी लिखो प्रतियोगिता (केवल छात्रों के लिए)	सुरभि रानी	डी एफ टी- 7	BFT/19/189	प्रथम
	दिव्यांश अरोरा	ऍम एफ ऍम	MFM/22/616	द्वितीय
	वैभवी चौहान	डी एफ टी	BFT/21/175	तृतीय
	ख्याति शर्मा	डी एफ टी- 3	BFT/21/129	प्रोत्साहन -1
	महिमा यादव	ऍम डिजाईन	MD/21/353	प्रोत्साहन -2
	श्वेता सिंह	डी एफ टी- 5	BFT/20/407	प्रोत्साहन -3

हिंदी पखवाड़ा के लिए प्रमाण पत्र

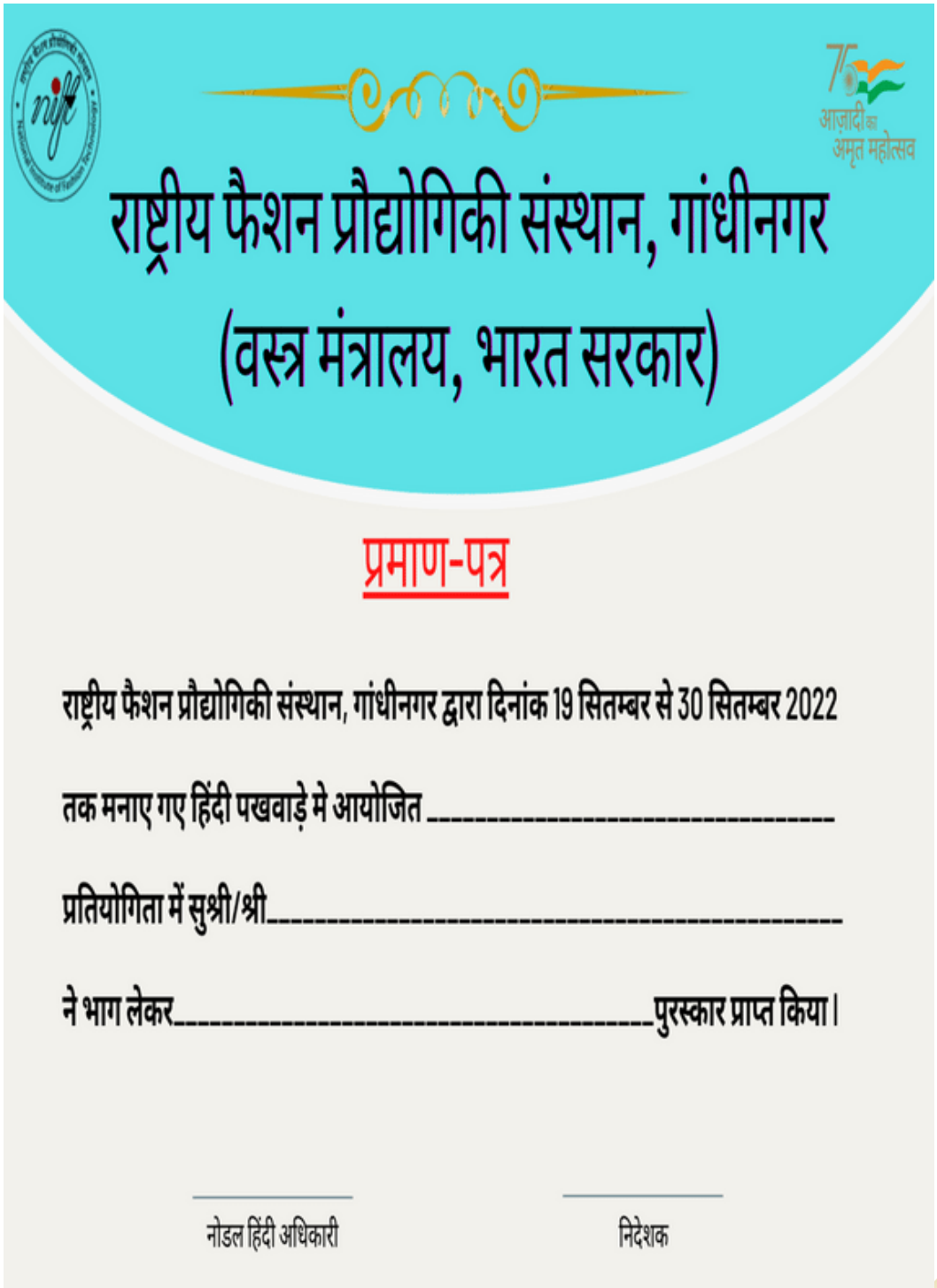

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

(वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)

प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर द्वारा दिनांक 19 सितम्बर से 30 सितम्बर 2022 तक मनाए गए हिंदी पखवाड़े मे आयोजित _____

प्रतियोगिता में सुश्री/श्री_____

ने भाग लेकर_____पुरस्कार प्राप्त किया।

नोडल हिंदी अधिकारी

निदेशक

विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायकगण

1.	डॉ. (प्रो.)अमर तिवारी, प्राध्यापक
2.	सुश्री नूपुर चोपड़ा, सह प्राध्यापक
3.	सुश्री जागृति मिश्रा, सह प्राध्यापक
4.	श्री अभिषेक शर्मा, सह प्राध्यापक
5.	श्री असित भट्ट, सह प्राध्यापक
6.	सुश्री सुमिता अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक
7.	श्री भारत जैन, सह-प्राध्यापक
8.	श्री मनीष भार्गव, सह-प्राध्यापक
9.	श्री चिराग सोलंकी, सहायक निदेशक
10.	श्री राज कुमार, सहायक प्राध्यापक
11.	श्री मनीष शर्मा, सहायक प्राध्यापक
12.	श्री जय किशन, सहायक प्राध्यापक
13.	श्री ऋषभ कुमार, सहायक प्राध्यापक
14.	डॉ जपजी कौर, सह-प्राध्यापक

बहु कार्यकारिणी टीम

1.	श्री विमल सिंह (सहायक प्राध्यापक, नोडल हिंदी अधिकारी)
2.	सुश्री पूजा ओझा (कनिष्ट अनुवाद अधिकारी)
3.	श्री चन्दू सिंह गोडिल (एम्. टी. एस.)
4.	श्री अब्दुल (एम्. टी. एस.)

हिंदी पखवाड़ा 2022 का समापन

हिंदी पखवाड़ा निफ्ट, गांधीनगर के लिए हमेशा से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। हर साल विविध कार्यक्रमों के आयोजन के साथ विद्यार्थी भी हिंदी की उपलक्ष्यता को ध्यान में रख कर बड़े ही आनन्द से पूरे पखवाड़े तक संस्था द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगितायों में भाग लेते रहे हैं।

सभा के समापन पर सभी उपस्थित कार्मिकों द्वारा हिंदी को हर कार्य में बढ़ावा देने का प्रण लिया गया। इसी प्रण के साथ हिंदी पखवाड़ा वर्ष 2022 का समापन किया गया। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

“हिंदी भाषा हमारे राष्ट्र
की अभिव्यक्ति का
सरलतम स्रोत है।”
— सुमित्रानंदन पंत

जयहिन्द